बरस दिना में आवे री गोरी

बरस दिना में आवै री गोरी, होरी आज मनाय लै री,
फागुन के दिन चार सखी,तू रसिया ते बतराय लै री,

हम है रसिया तुम गोरी,बढी खास बनी ये जोडी,
सुन ले ग्वालिन मतवारी, खेलेंगे तो संग होरी,
ये अवसर होरी को गोरी, जीवन आज बनाय लै री ।फागुन के दिन चार .....

क्यों लाज करै तू गोरी, लगवाय लै मुख ते रोरी,
जो सूधी नाय बतरावै, तौ श्याम करे बरजोरी,
ऐसौ अवसर फिर न मिलैगौ, हंस हंस के बतराय लै री। फागुन के दिन चार सखी .....

सुन लै तू नारि नवेली, क्यों बैठी भवन अकेली,
रसिया बिन सूनौ जावै, तेरौ जोबन अलबेली,
रोज रोज रसिया ना आवै,हस के रंग लगवाय लै री। फागुन के दिन चार सखी .....

अवधेश राणा,मथुरा
6395870827

Source: https://www.bharattemples.com/baras-dina-me-aawe-re-gori/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw